हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 307 | देहरादून, बुधवार, 08 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

भीषण गर्मी से हाल-बेहाल
पंखे भी दे रहे गर्म हवा

2

श्रीकंठ पर्वत के पर्वतारोहण दल को ऑल द बेस्ट : सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री

पर्वतारोहण दल के 12 सदस्य 20 दिन तक करेंगे श्रीकंठ पर्वत पर चढ़ाई

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने श्रीकंठ पर्वत पर्वतारोहण अभियान दल के सदस्यों को सुभाष रोड स्थित कैम्प कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पर्वतारोहण अभियान का उद्देश्य पौधरोपण, पॉलिथीन के उपयोग से बचने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है। इस अभियान से युवाओं को गाइड आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। दल अगले 20 दिनों तक उत्तरकाशी के श्रीकंठ पर्वत पर चढ़ाई करेगा।

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सहयोग से इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस पर्वतारोहण अभियान दल में गढ़वाल क्षेत्र के 12 युवक-युवतियां प्रतिभाग कर रहे हैं। दल के सदस्य उत्तरकाशी से 75 किलोमीटर की दूरी वाहन से तय करेंगे तत्पश्चात 03 दिन के ट्रेक को पूरा करते हुए श्रीकंठ पर्वत के बेस कैंप पहुंचेंगे। अगले 10 दिन में यह दल श्रीकंठ पर्वत पर चढ़ाई करेगा। इसी वर्ष सितंबर माह में कुमाऊं मंडल के युवक-युवतियों के लिए छोटा कैलाश पर्वत पर पर्वतारोहण अभियान आयोजित किया जाएगा।

पर्वतारोहण अभियान दल के सभी सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड में साहसिक खेलों की अपार संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से पर्वतारोहण अभियान दल इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं को प्रेरित करेगा और प्रदेश के युवा इस क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार संबंधी जानकारी प्राप्त करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रमुख भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने इस तरह के प्रयासों में सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिये जाने का भी आश्वासन दिया।

सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर ने बताया कि यूटीडीबी ने इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन के साथ मिलकर पहली बार पर्वतारोहण अभियान आयोजित किया है। इसके साथ ही यूटीडीबी की ओर से पर्वतारोहण दल को सहयोग राशि के तौर पर 01 लाख रुपये की धनराशि भी दी जा रही है। इसी साल सितंबर माह में कुमाऊं मंडल के युवक-युवतियों हेतु छोटा कैलाश पर्वत पर पर्वतारोहण अभियान आयोजित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य पर्वतारोहण क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं में अत्यधिक निपुणता लाना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के अवसर प्रदान कराना है। सचिव पर्यटन ने कहा कि आज के समय में बहुत जरूरी है कि हम स्वस्थ व फिट रहें। इसके लिए आवश्यक है कि साहसिक खेलों की गतिविधियों में हम प्रतिभाग करें। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि उत्तराखण्ड को साहसिक पर्यटन और अच्छे पर्यावरण के लिए जाना जाए, हम इसके लिए लगातार काम कर रहे हैं।

यूटीडीबी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुंडीर ने कहा कि राज्य में साहसिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां प्रदान की जा सके, इसके लिए राजकीय सहायता देकर सरकार स्थानीय लोगों को सशक्त बना रही है।

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि पलायन को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों को पर्यटन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। यूटीडीबी की ओर से नेहरु पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी के सहयोग से हाई एल्टीट्यूड गाइड कोर्स भी आयोजित किया जा रहा है। बीते कुछ दिनों पहले ही यूटीडीबी की चयन समिति की ओर से प्रदेश के 30 युवक व युवतियों का चयन किया गया है, जिनका प्रशिक्षण नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में चल रहा है। वे सभी प्रतिभागी गंगोत्री से केदारनाथ तक का ट्रेक पूरा करेंगे।

इस अवसर पर इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन की अध्यक्ष हर्षवंती बिष्ट, यूटीडीबी की अपर निदेशक/कार्यालय अध्यक्ष पूनम चंद, साहसिक (भूमि विशेषज्ञ) रणवीर सिंह नेगी, पर्वतारोहण अभियान दल के ट्रैक लीडर दिगंबर सिंह चौहान और दल के तकनीकी विशेषज्ञ राजेंद्र नाथ समेत दल के सभी 12 सदस्य उपस्थित रहे।

11 और 12 जून को हरिद्वार में होगी विहिप की बैठक, देश के शीर्ष 300 से अधिक संत और महात्मा होंगे शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक 11 और 12 जून को निष्काम सेवा ट्रस्ट भूपतवाला में होगी। इसमें देश के शीर्ष 300 से अधिक संत और महात्मा शामिल होंगे। ज्ञानवापी, कुतुब मीनार और ताजमहल पर उठे विवाद के बीच होने वाली बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मार्गदर्शक मंडल बैठक के लिए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक तिवारी शीर्ष संतों से संपर्क कर रहे हैं। जिसमें वह बैठक के मुद्दों और देश में चल रहे हालातों को लेकर संतों से फीड बैक ले रहे हैं। कुटुंब प्रबोधन, घर वापसी जैसे प्रस्तावित विषयों पर विचार मंथन होगा। जनसंख्या नियंत्रण, समान नागरिक संहिता पर भी विचार किया जा सकता है। हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली गई

शोभायात्राओं पर देश के कई हिस्सों में हुई पत्थरबाजी और सांप्रदायिक घटनाओं पर संतों से चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी में अब शिवलिंग मिलने के बाद परिस्थितियां बदल गई हैं। बदली हुई परिस्थितियों में केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में इस मामले को संतों के सामने रखा जाएगा। जो संत निर्णय लेंगे, विहिप उस पर अमल करेगा। अशोक तिवारी ने सोमवार को श्रीपंचायती बड़ा अखाड़ा उदासीन के महंत रघुमुनि, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि, श्रीमहंत रविंद्रपुरी, श्रीमहंत महेशपुरी, श्रीमहंत शिवशंकर गिरी, जसविंदर सिंह शास्त्री, महंत दामोदर दास, आचार्य महामंडलेश्वर विशोक आनंद भारती, आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद गिरि, शांतिकुज प्रमुख डॉ. चिन्मया पांडेय आदि से मिलकर बैठक में आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर मयंक चौहान, संजय वर्मा, प्रमोद पाल, प्रणव त्यागी आदि मौजूद रहे।

सरकार हर गांव में मिनी स्टेडियम बनाने पर कर रही विचार : सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साहिया। मिनी स्टेडियम पजिटीलानी में मंगलवार को आयोजित विशाल खेलकूद व सांस्कृतिक महोत्सव के अंतिम दिन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि मिनी स्टेडियम पजिटीलानी का विस्तार, सुंदरीकरण, पजिटीलानी क्षेत्र में पेयजल की समस्या को दूर करने को पेयजल योजना का निर्माण व फटेऊ गांव से डांडा छानी तक पांच किमी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाएगा।

धामी ने कहा कि भाजपा सरकार प्रत्येक गांव में मिनी स्टेडियम बनाने पर विचार कर रही है, ताकि खिलाडियों को फायदा पहुंचे। कहा कि 17 वर्ष बाद पजिटीलानी में खेलकूद प्रतियोगिता कराकर आयोजकों ने सराहनीय कार्य किया है। कहा आज वह सबके बीच में मुख्य सेवक के रूप में नहीं, अपितु एक खिलाड़ी के रूप में आए हैं। कहा कि मैंने बचपन से ही विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि

मौजूद संसाधनों के साथ ही सभी विकास कार्य उत्तराखंड में पूर्ण किए जाएंगे।

कहा कि हमारी सरकार ने प्रत्येक गांव में एक मिनी जिम और ओपन जिम बनाने के लिए स्वस्थ युवा, स्वस्थ उत्तराखंड नाम से योजना प्रारंभ की है। जिसके तहत कई जगहों के लिए धनराशि भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हम जो नई खेल नीति लेकर आए हैं, उसमें प्रतिभाशाली खिलाडियों को संसाधन की कमी न हो पाए और वह अपने प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़े ऐसी व्यवस्था की गई है।

अब भारत में जल्द होंडा लेकर आएगा इलेक्ट्रिक स्कूटर, जानें कीमत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जापान की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी Honda (होंडा) जल्द ही भारतीय बाजार में एक किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर ला सकती है। इलेक्ट्रिक स्कूटर Honda को पिछले साल चीन में लॉन्च किया गया था और इसके तुरंत बाद, जापानी निर्माता ने भारत में भी स्कूटर के लिए एक पेटेंट दायर किया।

Honda एक स्लिम और हल्का ई-स्कूटर है जिसमें न्यूनतम डिजाइन फिलॉसफी देखने को मिलती है। इसके चारों ओर एलईडी डीआरएल के साथ एप्रन पर एक मॉडर्न लुक वाला हेडलैम्प क्लस्टर है। स्लिम टॉप सेक्शन में टर्न इंडिकेटर दिए गए हैं। YOU-Go का प्रोफाइल दिखने में साधारण है और यह उपयोगितावादी नजर आता है।

बैटरी और मोटर

वैश्विक बाजार में U-GO दो वेरिएंट में आता है। एक में 1.6 bhp इलेक्ट्रिक मोटर मिलता है। जबकि दूसरे में कम पावर वाला 1 bhp मोटर दिया गया है। जाहिर तौर पर Honda U-GO एक स्लो स्पीड स्कूटर है। यह हब-माउंटेड मोटर के साथ आता है। दोनों वैरिएंट्स 1.44 kWh की क्षमता वाली 48V और 30Ah रिमूवेबल लिथियम-आयन बैटरी के साथ आते हैं। दोनों मॉडल में मिलने वाले बैटरी पैक को स्कूटर से निकाला जा सकता है। इसकी वजह से ग्राहक बैटरी को घर ले जा सकते हैं और उसे आराम से चार्ज कर सकते हैं।

रेंज

यह इलेक्ट्रिक स्कूटर फुल चार्ज में 65 किमी की रेंज का दावा करता है। जो अभी भारत में उपलब्ध ज्यादातर प्रमुख ईवी की तुलना में थोड़ा कम है। दूसरा बैटरी पैक जोड़कर रेंज को दोगुना कर 130 किमी किया जा सकता है।

स्पीड

टॉप मॉडल की टॉप स्पीड 53 किलोमीटर प्रति घंटा है। जबिक स्टैंडर्ड मॉडल की टॉप स्पीड 43 किलोमीटर प्रति घंटा है। यही से छोटी दूरी की आवाजाही के लिए परेशानी मुक्त विकल्प बनाती है।

फीचर्स

स्कूटर में LCD स्क्रीन दी गई है, जो स्पीड, दूरी, चार्ज और राइडिंग मोड जैसी जानकारी देती हैं। इसके फ्रंट एप्रन पर ट्रिपल बीम के साथ एक LED हेडलाइट दी है। इसमें एक LED DRLs स्ट्रिप भी शामिल है। इसमें 12 इंच के फ्रंट और 10 इंच के रियर अलॉय व्हील मिलता है। दोनों मॉडल में 26-लीटर का बड़ा स्टोरेज स्पेस मिलता है।

कीमत

Honda के स्टैंडर्ड मॉडल की कीमत 7,499 चीनी युआन (लगभग 85,342 रुपये) और टॉप-मॉडल की कीमत 7,999 चीनी युआन (लगभग 91,501 रुपये) है। चीनी बाजार में इसकी कीमत अन्य ई-स्कूटर के मुकाबले काफी कम है।

भीषण गर्मी से हाल-बेहाल पंखे भी दे रहे गर्म हवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

झुलसाने वाली लू का जनजीवन पर बड़ा असर पड़ रहा है। धूप के कहर के चलते लोगों का अपने घरों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। सोमवार को रविवार के मुकाबले थोड़ी राहत जरूर मिली लेकिन पश्चिमी यूपी के मेरठ समेत सभी जिले में अधिकतम तापमान 42.0 डिग्री और न्यूनतम 25.4 रहा।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 जून से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से धूल भरी आंधी चलने के आसार नजर आ रहे हैं हैं। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एन सुभाष का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से दिन का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है।

कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का कहना है कि पश्चिमी यूपी में मानसून 25 से 30 जून के बीच दस्तक देगा। गर्मी का जनजीवन पर व्यापक असर पड़ रहा है। दोपहर में बाजारों में ग्राहक नहीं पहुंच रहे हैं।घरों में एसी, कूलर की वजह से बिजली के बिल बढ़ गए हैं। बिजली कटौती से भी लोग परेशान हैं। राहत पाने के लिए शाम के समय लोग पार्कों में काफी समय बिता रहे हैं। वहीं मेरठ में सोमवार को प्रदूषण में थोड़ी राहत मिली और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई)191 दर्ज किया गया।

बिजली कई इलाकों में प्रत्येक दो घंटे में 15- 20 मिनट तक कट रही है। शहर के कई इलाकों में दिन में ही नहीं बल्कि रात्रि में भी बिजली कटौती हो रही है। कई इलाके ऐसे भी हैं जहां पर लो वोल्टेज के कारण पंखे नहीं घूम रहे। देहात में नलकूप ठीक से नहीं चल पा रहे हैं।

बागेश्वर में शारीरिक दक्षता परीक्षा हुई पूरी 5447 अभ्यार्थी सफल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस में आरक्षी संवर्ग (पुलिस/पीएसी/फायर) के रिक्त 1521 पदों पर भर्ती हेतु प्रथम चरण में शारीरिक नाप जोख एवं दक्षता परीक्षा प्रचलित है। उत्तराखंड पुलिस के महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि बागेश्वर पुलिस द्वारा शारीरिक नाप जोख एवं दक्षता परीक्षा पूर्ण करा ली गई है । उन्होनें बताया कि बागेश्वर जनपद से कुल 8215 अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा हेतु आवेदन किया था, जिसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा के उपरान्त अगले चरण हेतु 5447 अभ्यार्थी सफल रहे।

सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में यह भर्ती प्रक्रिया 15 मई 2022 से प्रारम्भ हुई थी जिसके क्रम में 5 जून तक शारीरिक दक्षता परीक्षा में 142616 अभ्यार्थियों ने हिस्सा लिया है। जिनमें से लगभग 66712 अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफलता हासिल कर अगले चरण हेतु चयनित हुए हैं, जहां उनकी लिखित परीक्षा होगी। समस्त जनपदों में शारीरिक दक्षता परीक्षा को जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करा लिया जाएगा।

चुनिंदा लोगों की सोच, पूरे समाज की सोच नहीं : कपिल देव, पूर्व भारतीय कप्तान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली। देश को विश्व कप का ख़िताब देने वाले पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव देश में किसी भी तरह के साम्प्रदायिक तनाव से इंकार करते हैं। उनका कहना है कि कुछ चुनिंदा लोगों की सोच व मानसिकता पूरे समाज की मानसिकता नहीं मानी जा सकती। उन्होंने कहा कि आज इस विषय पर जो लोग भी बोल रहे हैं वह उनकी निजी राय हो सकती है, पूरे समाज से उनका कोई संबध नहीं है।

पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव दिल्ली के इंडिया इस्लामिक सेंटर में स्पोर्टस एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में एसोसिएशन अध्यक्ष जावेद साबरी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

कपिल देव ने इस दौरान मौजूद लोगों से दिल खोलकर बातचीत की और सभी के सवालों का जवाब देते हुए उन्हें जीवन में अपनी विचारधारा को बड़ा कर आगे बढने का संदेश भी दिया। देश में मंदिर मस्जिद को लेकर बन रहे वातावरण पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें पहले भी होती रही हैं, 3 वर्ष या 4 पहले भी कुछ लोग ऐसे बातें किया करते थे, उन्होंने कहा कि समाज में किसी एक व्यक्ति की सोच या विचारधारा को समूचे समाज की विचारधारा नहीं समझना चाहिये। उन्होंने कहा कि किसी को भी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए, सोच को हमेशा बड़ा रख कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को शिक्षा हासिल करनी चाहिए, लोग शिक्षित होंगे तो कोई भी उन्हें गुमराह नहीं कर सकेगा लेकिन अशिक्षित व्यक्ति को कोई भी आसानी से गुमराह कर सकता है।

जीवन के यादगार पलों के बारे में पूछे जाने पर कपिल देव ने कहा कि भारत के लिये खेलना ही उनके लिये यादगार है और जीवन का सबसे बड़ा आनंद भी वही है।

जीवन में संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यदि भारत के लिए ना खेल पाता तो यह जीवन संघर्ष लगता लेकिन भारत के लिए खेलने के बाद जीवन संघर्ष नहीं बल्कि कामयाब और असान लगता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट मेरे लिये संघर्ष नहीं बल्कि एक ख़ूबसूरत यात्रा थी। कपिल देव ने कहा कि यह जीवन संघर्ष तो वास्तव में उन लोगों के लिये है जो पटरी पर सामान लगा कर बेच रहे हैं और उन्हें यह चिंता है कि घर में आज खाना बन पायेगा या नहीं। क्रिकेट में आने से संबधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बचपन में पढ़ाई में मन नहीं लगता था और स्कूल से क्रिकेट खेलने के लिये पढ़ाई से हर हफ़्ते 3 दिन की छुटटी मिलती थी इसलिये क्रिकेट खेलना शुरु कर दिया। सफ़लता का राज़ पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जीवन में किसी की भी सफ़लता का राज़ काम के प्रति समर्पण, उत्साह व जोश होता है और सभी को अपने जीवन में अपने काम के प्रति समर्पण व उत्साह को बनाये रखना चाहिए तभी सफलता के मुकाम पर पहुंचा जा सकता है। वर्ष 1983 में जिम्बाबवे के साथ हुए विश्व कप के मैच की वी डि यो रिकार्डिंग ना होने का अफ़सोस तो नहीं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि अफ़सोस नहीं बल्कि ख़ुशी है क्योंकि बिना रिकॉर्डिंग के आज भी उस मैच के बारे में बात हो रही है।

राजनीति में जाने से संबधित एक सवाल पर उन्होंने राजनीति में जाने से इन्कार किया। उन्होंने मदर टैरेसा का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में जाये बिना भी अच्छे काम व समाज की सेवा की जा सकती है। कपिल देव से जब जीवन में उनके हीरो या आदर्श के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि समय के साथ साथ हीरो बदलते रहे हैं। बचपन में कक्षा का मानीटर हीरो होता था, उसके बाद जीवन में जैसे जैसे नये नये लोग मिलते गये हीरो भी नये नये बनते गये।

उन्होंने कहा कि जो केवल किसी एक को ही अपना हीरो मानकर रूक जाता है उसकी सफ़लता भी वहीं रूक जाती है।

क्रिकेट खेलने को लेकर माता पिता से प्रोत्साहन मिलने के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि माता पिता से उन्हें कोई प्रोत्साहन नहीं मिला लेकिन इसमें माता पिता की ग़लती नहीं क्योंकि उस समय खेल में या संगीत आदि अन्य गतिविधियों से जीवन नहीं बनता था और सभी माता पिता अपने बच्चों को खिलाड़ी बनाने के बजाय पढ़ा लिखाकर पैरों पर खड़ा करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आज स्थितियां बदल गई हैं आज इन खेलों के प्रति आकर्षण व पैसा बढ़ा है जिससे माता पिता भी अपने बच्चों को खिलाड़ी बनाने के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं।

कार्यक्रम में इंडिया मोस्ट वोंटेड के प्रोडयूसर सुहेब इलियासी, पूर्व जिला जज कमल शर्मा, परमिंदर सिंह, मुजीब मलिक, मरगूब साबरी, इशान साबरी, खुर्शीद रब्बानी, जैकब, डा. पीडी गर्ग, इकराम अहमद, राशिद त्यागी, अजहर जावेद, सुहेब आज़मी, शाबाज़ फ़रीदी व प्रवेश गर्ग ने कपिल देव का स्वागत किया।

उत्तराखंड में अब ATM से पैसा नहीं निकलेगा अनाज : रेखा आर्य, मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की धामी सरकार एक नया प्रयोग करने जा रही है। अब पहाड़ों के एटीएम से पैसे नहीं निकलेगा गेंहू , दाल , चावल और राशन , जी हाँ आपको अब इस नए प्रयोग के लिए तैयार हो जाना चाहिए। पुष्कर सरकार विश्व खाद्य कार्यक्रम की पायलट योजना के तहत जल्द ही राज्य में ग्रेन एटीएम प्रणाली को शुरू करने जा रही है. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की मंत्री रेखा आर्य का कहना है कि अगर केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही एटीएम मिल जाते हैं, तो जुलाई के प्रथम सप्ताह से पहले चरण में एक मैदानी और एक पहाड़ी जनपद में इसका प्रयोग किया जाएगा. अगर यह प्रयोग सफल होता है तो ग्रेन एटीएम प्रणाली को पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा.

जिस तरह बैंकों के एटीएम से आप अपनी जरूरत के वक्त पैसा निकालते हैं, ठीक उसी तरह से अब आप उत्तराखंड में अनाज भी ले सकेंगे. विश्व खाद्य कार्यक्रम के खास योजना के तहत उत्तराखंड में फूड ग्रेन एटीएम शुरू होने जा रहा है. राज्य का पहला अनाज एटीएम देहरादून में धर्मपुर क्षेत्र में लगाया जाएगा. खाद्य सचिव सचिन कुर्वे ने इसकी पुष्टि की. उन्होंने बताया कि विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत इस संबंध में मंजूरी मिल चुकी है.

बता दें, ग्रेन एटीएम प्रणाली अभी उड़ीसा और हरियाणा में चल रही है. अगर उत्तराखंड में इसका प्रयोग सफल हो जाता है, तो उत्तराखंड इस प्रणाली के प्रयोग में तीसरे नंबर का राज्य बन जायेगा. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत खाद्य विभाग की ओर से उत्तराखंड में भी ग्रेन एटीएम की शुरुआत की जा रही है. इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अनुमति मिल गई है. जल्द ही इसके लिए मशीनें भी राज्य सरकार को उपलब्ध हो जाएंगी.

यह सिस्टम एटीएम मशीन की तरह होगा. इस पर भी एटीएम मशीन की तरह स्क्रीन होगी. यह मशीन बड़े आकार के भंडार ड्रमों से जुड़ी रहेगी. राशन कार्ड धारक यहां आकर एक तय स्थान पर अपना अंगूठा लगाएगा. अंगूठा स्कैन होते ही स्क्रीन पर कार्ड धारक का पूरा विवरण आ जाएगा. इसके बाद मशीन में अनाज का मूल्य नकद रूप में डाल कर या फिर ऑनलाइन जमा कराना होगा. फिर मशीन में बने एक छेद पर अपना झोला लगाना होगा. एक तय समय में मशीन कार्ड धारक को उसके लिए तय अनाज दे देगी.

मसूरी क्षेत्र में सिंचाई विभाग माध्यम से हो रहे विकास कार्यो की समीक्षा बैठक : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून मंगलवार को प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैम्प कार्यालय में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिंचाई विभाग के अधीन मुख्यमंत्री घोषणा एवं अन्य विकास कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान तटीय क्षेत्रों में निवासरत लोगों को दिक्कत न हो, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि किशन नगर वार्ड में नाला निर्माण किया जाना आवश्यक है। उन्होनें अधिकारियों से कहा कि वह तत्काल संयुक्त निरीक्षण करें और बरसात से पहले इस कार्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि नाले की सफाई के लिए नगर निगम एवं अवैध कब्जों के लिए राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने रिस्पना नदी में लगभग चार करोड़ से चल रहे सुरक्षात्मक कार्य की प्रगति भी जानी। मंत्री ने कहा कि बरसात से पूर्व इसे पूर्ण करें ताकि भारी बारिश के दौरान क्षेत्रवासियों को दिक्कत न हो।मंत्री ने मुख्यमंत्री घोषणाओं के सम्बन्ध में भी अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि विभागीय स्तर से होते हुए सभी कार्यों के आगणन शासन पहुंच गए हैं। जिन विकास कार्यो की निविदाऐं हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल प्रारम्भ करने के निर्देश मंत्री ने दिये। मिठ्ठी बेहड़ी की सैन्य भूमि के स्थान पर कोल्हूपानी में दी गयी भूमि में पुश्ता निर्माण करने के काम को भी तैजी से करवाने के निर्देश मंत्री ने दिये। उन्होंने मालदेवता, क्यारा, सिल्ला, भितरली आदि क्षेत्रों में सिंचाई विभाग से होने वाले कामों को करवाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये।

IRCTC Train Booking में बड़ा बदलाव Indian Railway ने दी यह अहम जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप ट्रेन से सफर करते हैं तो अब ये खबर आपको ज़रूर पढ़ लेनी चाहिए ,जैसा कि हम जानते हैं कि भारतीय रेलवे (Indian Railway) यात्रियों की सुविधा के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती है. अब इसी कड़ी में भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक कराने वालों को खुशखबरी दी है. रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के लिए नियमों में बदलाव किया है. नियमों में बदलाव के चलते अब आप एक महीने में ज्यादा टिकट बुक कर पाएंगे.

क्या है रेलवे का नया नियम ?

रेलवे ने एक यूजर आईडी, जो आधार से लिंक नहीं है, उससे एक महीने में अधिकतम 6 टिकट बुक करने की सीमा बढ़ाकर 12 टिकट करने का फैसला किया है. वहीं, आधार से लिंक यूजर आईडी के लिए ये सीमा 12 टिकट बुक करने से बढ़ाकर 24 टिकट कर दी गई है. रेलवे लिंक से आधार अटैच करने से यात्रियों को ज्यादा फायदा मिल रहा है.

पहले क्या थे नियम ?

अब तक, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) बिना आधार कार्ड लिंक अकाउंट से एक महीने में छह टिकट बुक करने की अनुमति दी थी. वहीं, अगर आधार कार्ड लिंक अकाउंट से 1 महीने में 12 टिकट बुक करने की अनुमति थी.

रेलवे के इस फैसले पर बात करते हुए रेल अधिकारी ने कहा कि रेलवे के इस फैसले से उन्हें राहत मिलेगी जो ज्यादा रेल यात्राएं करते हैं. साथ ही उन्हें भी फायदा मिलेगा जो एक अकउंट से परिवार के सदस्यों का टिकट बुक करते हैं...

मकान बना रहे हैं तो ज़रूर पढ़े ये खबर - जानिए क्या क्या सुविधाएं होनी चाहिएं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वर्तमान समय में जब मानव अपने स्वार्थ के कारण पर्यावरण के महत्व को गौण समझता जा रहा है... बीमारियां भी लगातार बढ़ती जा रही है...म इसी कारण छोटी उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं... इससे लोगों के मन में सवाल आता है कि हमारे मकान में ऐसी क्या सुविधाएं होनी चाहिए जिसकी वजह से स्वास्थ्य अच्छा रहे. अगर आपके मन में भी ऐसा ही सवाल है, तो इस पोस्ट में इसी सवाल का जवाब जानते हैं.

अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो इसके लिए आप अपने मकान को वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाएं. अपने मकान को बनाते हुए, यह ध्यान रखना चाहिए कि इसमें हल्के रंगों का प्रयोग किया जाए. मकान में प्रयोग किए जाने वाले फर्नीचर, पर्दे तथा दीवारों में गहरे रंग का प्रयोग करने से बचें. अपने मकान में छोटे से मंदिर का निर्माण करते हैं, तो इस तरह करें कि उत्तर-पूर्व दिशा की और मुंह रहें. इससे आंतरिक शांति मिलती है तथा आपका स्वास्थ्य अच्छा रहता है. इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति बीमार है तथा उसकी दवा चल रहीं हैं, तो उसकी दवा उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखनी चाहिए.

इन सब उपायों के अतिरिक्त भी आप अनेक उपाय कर सकते हैं. जैसे कि जब आपका मकान तैयार हो जाएं, तो उसमें मुस्कुराते बच्चों की या मोटिवेशन देने वाली तस्वीरें लगवाएं. जबकि मनोवैज्ञानिक तौर पर हमारे स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं. इसके साथ ही मकान बनाते समय यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कोई अस्पताल आपके मकान के पास हो, ताकि किसी अप्रिय स्थिति में जल्द डॉक्टर की सलाह मिल सकें.

पीएम ने केदारनाथ की गंदगी पर जताई चिंता तो मंत्री अग्रवाल ने बुलाई बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शहरी विकास विभाग के मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने शहरी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में चारधाम यात्रा रूट पर पड़ने वाले 27 शहरों, गंगा नदी के तट पर पड़ने वाले 15 नगरों सहित सभी नगर निकायों में सफाई व्यवस्था, स्थाई और अस्थाई शौचालयों की स्थिति, नाले की सफाई, दवा छिड़काव, पेयजल व्यवस्था आदि स्थितियां जानी और इस पर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मंत्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित मन की बात कार्यक्रम में केदारनाथ में गंदगी को लेकर किए गए जिक्र के संबंध में संबंधित ईओ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जानकारी जुटाई। ईओं को केदारनाथ के आसपास पूरी तरह से साफ सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। कहा कि इसकी वीडियों बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजें। मंत्री अग्रवाल ने इसी तरह बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के ईओ से स्थिति जानी, जो संतोषजनक पाई गई।

चमोली नगर पालिका के ईओ द्वारा प्लास्टिक, पॉलीथिन को बंद करने, बरसात को देखते हुए नालियों को पूर्ण रूप से साफ किए जाने पर प्रशंसा जाहिर की। इसी तरह क्रमवार रूद्रप्रयाग, पौड़ी, बड़कोट, श्रीनगर, रूड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून, लंढौरा, मंगलौर, इमली खेड़ा, सेलाकुई, मसूरी, विकासनगर, झबरेड़ा, हरबटपुर, डोईवाला सहित सभी निकायों में सफाई व्यवस्था, शौचालयों, दवा छिड़काव की स्थिति जानी।

बैठक के दौरान मिनिस्टर ने पिरान कलियर नगर पालिका क्षेत्र में रात्रिकाल में सफाई व्यवस्था न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने मौके पर सभी नगर निकायों को निर्देशित करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी जगह तीन शिफ्टों में सफाई की जाएं। कूड़ा उठान का कार्य रात्रिकाल में किया जाए, जिससे अगले दिन लोगों को नगर साफ दिखाई दें।

मंत्री अग्रवाल ने सख्त लहजे में सभी नगर निगम के नगर आयुक्तों, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दवा छिड़काव के बावजूद जिस भी निकाय में डेंगू जैसी बीमारी फैलेंगी, इसके लिए निकाय के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। कहा कि छिड़काव में दवा की मात्रा पर्याप्त हो।

इस मौके पर अपर मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन, प्रभारी सचिव विनोद कुमार सुमन, निदेशक ललित मोहन रयाल, विभिन्न नगर निगमों के नगर आयुक्त, नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े।

अधिकारी और कार्मिक अपनी ज़िम्मेदारी को बोझ न समझें : डॉ आर. राजेश कुमार, DM

तहसील दिवस पर फरियादियों की समस्या सुनते जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक बार फिर देहरादून के डीएम ने अधिकारीयों और कर्मचारियों को नसीहत दी है। डीएम दून डॉ0 आर राजेश कुमार ने कहा है कि जनता के हितों से जुड़े मामलों में अपनी ज़िम्मेदारी को तेज़ी से और सही दिशा में पूरी करें क्योंकि उत्तराखंड सरकार की पहली प्राथमिकता विकल्प रहित संकल्प के साथ लोगों की सेवा करना है। आपको बता दें कि मंगलवार को तहसील ऋषिकेश में तहसील दिवस का आयोजन किया गया था । जिसमें लगभग 111 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें सबसे अधिक 95 शिकायतें/आवेदन समाज कल्याण विभाग के पेंशन से संबंधित प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निस्तारण करते हुए भौतिक सत्यापन हेतु संबंधित लेखपाल को प्रेषित की गई हैं। इसके अतिरिक्त विद्युत, राजस्व, वन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, परिवहन विभाग, जल संस्थान, लोनिवि एवं सिंचाई विभाग से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई जिनका निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित की गई।

जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों/कार्मिकों को निर्देश दिए कि आज तहसील दिवस में प्राप्त हुई शिकायतों को समयावधि अन्तर्गत निराकरण करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों/कार्मिकों को निर्देश दिए संबधित अधिकारी/कार्मिक अपने पटल पर ही शिकायतों का निस्तारण करें तथा जो शिकायतें जिला स्तर एवं शासन स्तर की है उनको यथाशीघ्र हस्तान्तरित करें ताकि जनमानस को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं कार्मिक अपने पटल के कार्य को बोझ न समझें बल्कि सेवाभाव से कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही कहा कि कार्यों की भौतिक प्रगति आंकड़ों तक ही सीमित न रहे बल्कि धरातल पर कार्य दिखें।

तहसील दिवस पर शिकायतकर्ता अजय गुप्ता ने ऋषिकेश से जौलीग्रान्ट-थानों-देहरादून एवं ऋषिकेश-भोगपुर-थानों-देहरादून हेतु बस सेवा शुरू किए जाने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने संभागीय परिवहन अधिकारी ऋषिकेश को रूट का निरीक्षण करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जल जीवन मिशन के अन्तर्गत श्यामपुर में कई परिवारों को अब तक पेयजल कनेक्शन न मिलने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जल संस्थान के अधिकारियों को 15 दिन के भीतर पेयजल कनेक्शन करवाते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। श्यामपुर रेलवे फाटक पर जाम की समस्या के निराकरण एवं सड़क चैड़ीकरण के साथ ही अतिकम्रण हटाने व पुलिस की तैनाती कराये जाने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग, पुलिस एवं तहसीलदार को संबंधित अधिकारियों के साथ तत्काल मौका मुआवना करते हुए व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश शैलेन्द्र सिंह नेगी, तहसीलदार अमृता शर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी डी.सी ढौंडियाल, संभागीय परिवहन अधिकारी अरविन्द पाण्डेय, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह , जिला पर्यटन अधिकारी जे.एस चौहान , मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोनिवि, जल संस्थान, विद्युत विभाग, वन विभाग, सिंचाई विभाग आदि संबंधित विभागों के अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

देश के नन्हे-मुन्नों ने पौधारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस पर मैं दिया अपना योगदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले कुछ दशकों में पॉलिथीन प्लास्टिक आदि से होने वाले प्रदूषण का स्तर काफी तेजी से बढ़ा है जो कि पूरे विश्व के लिए चिंताजनक विषय बन गया है और आने वाला समय है और भी गंभीर होने वाला है कई सारे देशों को सरकार द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण के इस मुद्दे को लेकर कड़े फैसले लिए जा रहे हैं प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करना मात्र सरकार की यह जिम्मेदारी नहीं है वास्तव में अकेले सरकार इस विषय में कुछ कर भी नहीं सकती है इस समस्या का समाधान तभी संभव है जब हम सब सभी इस समस्या को लेकर जागरूक हो और इसे रोकने में अपना योगदान दें प्रतिदिन की दिनचर्या में मुमकिन जगहों पर प्लास्टिक के बढ़ते हुए उपयोग को रोककर ही इस भयावह समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

इस प्रकार वर्तमान चुनौती का सामना करते हुए दिल्ली निवासी श्रीमती दीप्ति सिंघल का कहना है कि इलाज से बेहतर रोकथाम में अगर हमें भविष्य में आने वाली समस्याओं पर काबू पाना है तो हमें आने वाली जनरेशन अपने बच्चों को इस बारे में जागरूकता और सही ज्ञान

देना बहुत जरूरी है हमें बच्चों की रोजमर्रा की दिन चार्य में अच्छी आदतों को शामिल करना होगा इसके लिए इसके लिए उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अपने द्वारा आयोजित समर कैंप में बच्चों को पर्यावरण की सुरक्षा की महत्वता बताते हुए और क्या-क्या चीज पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ही जानी चाहिए के बारे में जानकारी दें वह पॉलिथीन से होने वाले पर्यावरण के प्रदूषण के बारे में बच्चों को समझाया और बताया कि उन्हें क्यों नहीं पॉलिथीन का प्रयोग करना चाहिए इस मौके पर उन्होंने बच्चों को वर्षों के महत्व को समझाया और हर बच्चे ने एक पौधे का रोपण करके विश्व पर्यावरण दिवस में अपना योगदान दिया दीप्ति का मानना है विश्व पर्यावरण दिवस एक दिन नहीं बल्कि हर दिन अपने सुबह उठने के

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण में देश के नन्हे-मुन्नो के साथ दीप्ति सिंघल

साथ हर कदम पर बनाना जरूरी है इसके लिए जरूरी है कि हम अपने प्रतिदिन की दिनचर्य में पर्यावरण के लिए हानिकारक पूर्व थी और उसके उत्पादों को प्रयोग करना बंद करके उसकी जगह पर बायोडिग्रेडेबल उत्पादों का प्रयोग करें। आदित्य ने बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप का आयोजन किया हुआ है जिसमें वह बच्चों के व्यक्ति के संपूर्ण विकास से संबंधित सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान कर रही है डिप्टी का मानना है कि हमें स्कूल में किताबें शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को समाज और पर्यावरण के निर्माण के बारे में प्रायोगिक शिक्षक जरूर प्रदान करनी चाहिए जिससे कि आने वाली जनरेशन हर समस्या के बारे में पहले से ही जागरूक हो और जिससे कोई समस्या आएगी ही नहीं।

कैब में भूल जाते हैं अंडरवियर, फोन, चश्मा और नकली दांत, भारतीयों में भुलक्कड़ी की आदत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको रोचक ख़बरों से रूबरू करने के लिए न्यूज़ वायरस की रिसर्च डेस्क हमेशा ऐसी खबरे पेश करता है जो न सिर्फ जानकारी दे बल्कि ख़बरों के ज़रिये आपको जागरूक भी बनाये। आज हम आपको ऑनलाइन बुक की जाने वाली कैब और आपकी आदतों से जुडी खबर बता रहे हैं। दरअसल राइड शेयरिंग कंपनी UBER ने उबर लॉस्ट एंड फाउंड इंडेक्स का छठा एडिशन जारी किया है। इसमें सबसे ज्यादा भूले जाने वाले सामान, सबसे ज्यादा भूलने वाले शहरों, सप्ताह, दिन और साल के समय को बताया गया है, जब उबर के यात्री अपना सामान सबसे ज्यादा भूल जाते हैं।

सप्तांत में सबसे ज्यादा सामान भूलते हैं लोग

उबर के लॉस्ट एंड फाउंड इंडेक्स के जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस एपीएसी में 'सबसे ज्यादा भूलने वाले देशों' की सूची में सबसे ऊपर हैं। भारत में बैंगलोर लगातार दूसरे साल सबसे ज्यादा भूलने वाला शहर है। भारत में सबसे ज्यादा भूलने वाला सामान फोन, बैग,चाबियां, वॉलेट, चश्मा, आईडी, हेडफोन और कैमरे शामिल हैं। इसके अलावा कई बार लोग अपने खाने का सामान, मेटल लेग, वेडिंग गिफ्ट्स और अपने नकली दांत तक भूल जाते हैं।

गोल्ड की जूलरी तक भूल जाते हैं लोग

पिछले साल फोन, बैग और चाबियां उन सामानों में सबसे ऊपर थे, जो भारत में उबर कारों में छोड़े गए थे। अन्य सामानों में आईडी कार्ड, चाबियां और छाते भी सर्वोच्च 10 सामानों में थे। इसके अलावा शादी के कार्ड से लेकर गोल्ड जूलरी तक लोग भूल जाते हैं।

दोपहर के समय सबसे ज्यादा भूले सामान

ज्यादातर लोग दोपहर में 1 बजे से 4 बजे के बीच सामान भूल जाते हैं या फिर सुबह 5 बजे से 6 बजे के बीच सामान भूलते हैं। सुबह 10 बजे और शाम को 5 बजे सामान खोने की सूचना सबसे कम मिली है। लोग सोमवार को अपना चश्मा और चार्जर भूल जाने की सबसे अधिक संभावना होती है, जबकि किराने का सामान और लैपटॉप गुरुवार को भूलते हैं लोग। तो क्या आप भी कुछ ऐसी ही आदत से परेशान हैं ? अगर ऐसा है तो अब सावधानी बरतिए और अपने सफर को सुरक्षित और सुखद बनाने में ऐसी आदतों पर ख़ास ध्यान दें।

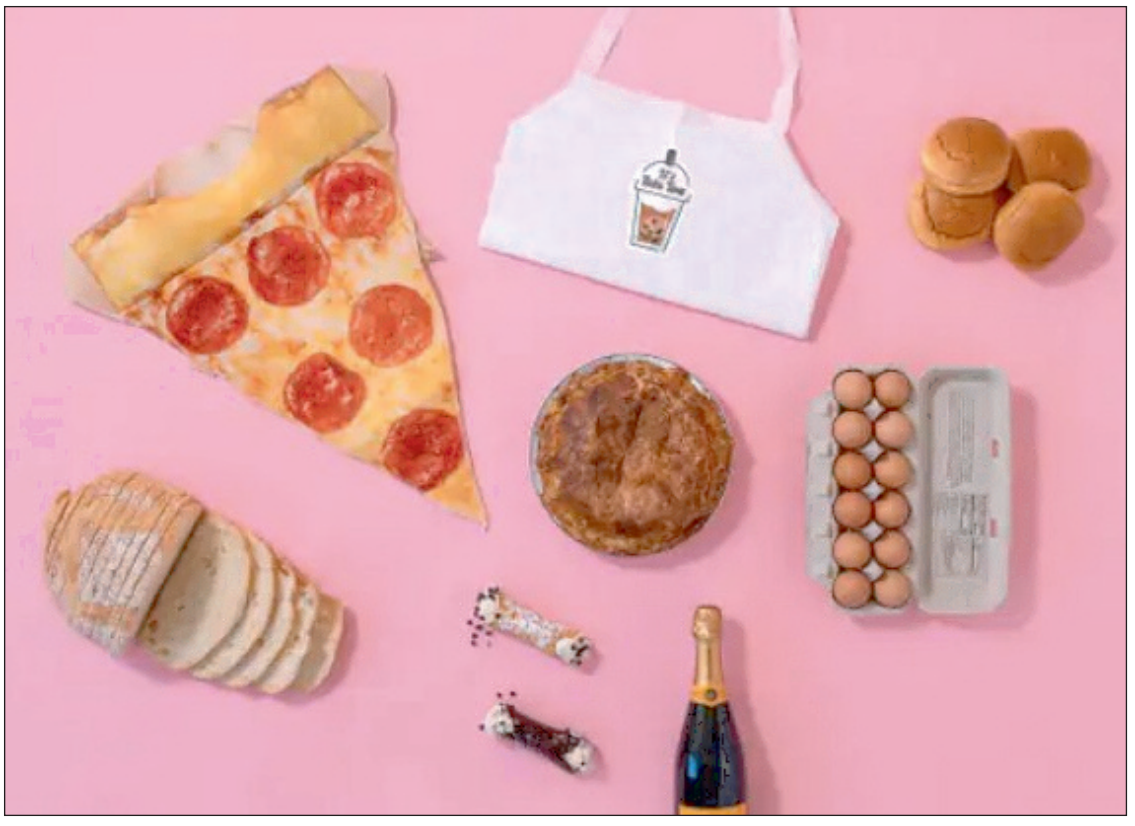

संपादकीय

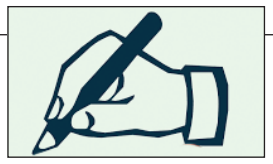

प्रयास एवं परिणाम

स्वच्छ भारत अभियान, कचरे से ऊर्जा उत्पादन, अमृत योजना के अंतर्गत जल शोधन के अत्याधुनिक संयंत्र, एकल उपयोग के प्लास्टिक की रोकथाम, नमामि गंगे अभियान में गंगा नदी की सफाई आदि पहलों से प्रदूषण पर अंकुश लगाने, जल एवं मिट्टी को बेहतर करने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में वांछित सफलता मिल रही है. अपने देश में स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाकर जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए भी तेजी से कोशिशें हो रही हैं. पिछले साल आयोजित ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि 2070 तक भारत का कार्बन उत्सर्जन शून्य हो जायेगा. प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भी बनाया है, जिससे आज सौ से अधिक देश जुड़ चुके हैं. जलवायु परिवर्तन की समस्या एक दिन में पैदा नहीं हुई है और न ही इसका त्वरित समाधान संभव है. पर्यावरण बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर साझा प्रयासों की आवश्यकता है. भारत की कोशिश रही है कि सभी देशों के साथ आपसी सहयोग से दीर्घकालिक नीतियों के साथ आगे बढ़ा जाना चाहिए. इसी क्रम में केंद्र सरकार ने एक वैश्विक अभियान 'लाइफ मूवमेंट' की शुरुआत की है. इस अवसर पर कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की. प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक पृथ्वी, कई प्रयास' का आह्वान करते हुए कहा है कि हमें अपनी धरती के अनुकूल जीवनशैली अपनानी चाहिए और इसे नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए. इस क्रम में हमें अतीत से ग्रहण करते हुए वर्तमान में क्रियाशील रहना चाहिए तथा हमारी दृष्टि भविष्य पर केंद्रित रहनी चाहिए. उन्होंने कहा कि हमारे जीवन की अवधारणा में उपभोग को कम करना, वस्तुओं का बार-बार इस्तेमाल करना तथा पुनर्चक्रित करना अंतर्निहित है. भारतीय संस्कृति के केंद्र में प्रकृति है और दैवीय स्थान दिया गया है. इन मूल्यों को फिर से अपनाने की आवश्यकता है. हाल के वर्षों में विश्वभर में भारत के प्रयासों की प्रशंसा हुई है. प्रधानमंत्री मोदी को उनके नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है. 'लाइफ मूवमेंट' के प्रारंभ के अवसर पर विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मलपास, उद्यमी बिल गेट्स, जलवायु अर्थशास्त्री निकोलस स्टर्न, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कास संस्टीन समेत कई गणमान्य लोगों ने भारत की उपलब्धियों की सराहना की है. स्वच्छ ऊर्जा में प्रगति को देखते हुए इस वर्ष एक अक्तूबर से प्रदूषण कर हटाने की प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का परिचायक है.

गंगा स्नान के बाद कार से दिल्ली लौट रहे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत, दो घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की। गंगा स्नान कर हरिद्वार से दिल्ली लौट रहे एक परिवार के तीन सदस्यों की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हैं, इनमें से दो की हालत गंभीर हैं, उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर नगला इमरती गांव के पास यह हादसा हुआ है।

दिल्ली के 37-मुकुंदपुर निवासी योगेश कुमार, पिता बलवंत कुमार, माता मुगली देवी, पत्नी गीता देवी, बेटे दक्ष व याग्निक और छोटे भाई किशन के साथ अपनी कार से गंगा स्नान के लिए हरिद्वार आए थे। दोपहर को गंगा स्नान के बाद यह लोग दिल्ली लौट रहे थे। जब इनकी कार कोतवाली रुड़की क्षेत्र के नगला इमरती गांव के पास पहुंची तो एक ट्रक ने गलत तरीके से ओवरटेक करने का प्रयास किया। कार चला रहे किशन ने बताया कि ट्रक से बचने के प्रयास में कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे में योगेश, उनके बेटे दक्ष और मां मुगली देवी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिता बलवंत कुमार व याग्निक गंभीर रूप से घायल हैं। किशन और गीता देवी को हल्की चोट आई हैं। सिविल अस्पताल रुड़की के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. संजय कंसल ने बताया कि गंभीर रूप से घायल बलवंत कुमार व याग्निक को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। किशन ने बताया कि उनके भाई योगेश प्रापर्टी का काम करते थे। कोतवाली रुड़की प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अभी मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

हरिद्वार में बदमाशों ने रोडवेज परिचालक पर किया हमला, छह हजार की नगदी लूटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की। दिल्ली से हरिद्वार जा रही रुड़की डिपो की बस के परिचालक पर आरआर सिनेमा के समीप बाइक सवार बदमाशों ने हमला कर उसका सिर फोड़ दिया और उससे छह हजार की नकदी लूट ली। परिवहन निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रुड़की डिपो की एक बस मंगलवार की शाम को दिल्ली से हरिद्वार जा रही थी। इस दौरान मोहन नगर से बस में तीन युवक सवार हो गए। इस दौरान परिचालक विकास ने तीनों युवकों से टिकट लेने को कहा तो तीनों ने मोहन नगर से रुड़की तक का टिकट लिया और बताया कि उनके पास कैश नहीं है। रुड़की उतरकर वह उसे एटीएम से पैसा निकाल कर दे देंगे। इसके बाद बस चलती रही। इसी बीच युवक आपस में बातचीत करते रहे और जैसे ही बस रुड़की से थोड़ा आगे हरिद्वार रोड स्थित आरआर सिनेमा पर पहुंची, तभी तीन बाइकों पर सवार आठ युवकों ने बस को घेर लिया।

बस रुकते ही युवक बस के अंदर दाखिल हो गए और उन्होंने परिचालक विकास के सिर पर लोहे की राड से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर बस के अंदर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपितों ने उसकी जेब से छह हजार की नकदी छीन ली और कपड़े भी फाड़ डाले और बाइकों पर सवार होकर भाग निकले। बस में पहले से मौजूद तीनों युवक भी हमलावरों के साथ निकल गए।

चालक ने इस बात की सूचना परिवहन निगम के अधिकारियों को दी। घटना के समय बस में 8 से 10 सवारी मौजूद थी, लेकिन किसी ने भी प्रतिरोध नहीं किया। सूचना पाकर रुड़की डिपो के वरिष्ठ प्रभारी विवेक कपूर अन्य स्टाफ को साथ लेकर मौके पर पहुंचे। यहां से वह घायल परिचालक को लेकर रुड़की सिविल अस्पताल में पहुंचे लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने मामला पुलिस का होने का बताकर उपचार देने से ही मना कर दिया।

ओवर स्पीडिंग और लोडिंग में काटे 13516 चालान 7470 लाइसेंस को निरस्त करने की संस्तुति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए अब परिवहन व पुलिस विभाग भी हरकत में आ रहा है। इन दोनों विभागों ने वर्ष 2022 में अप्रैल तक कुल 13516 व्यक्तियों के चालान काटे हैं। इनमें से 7470 लाइसेंस के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है। वहीं, 6046 का मौके पर ही चालान काट कर दंड राशि वसूल की गई है।

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इस वर्ष अप्रैल तक 537 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनका बढना जारी है। वहीं वर्ष 2021 में हुई सड़क दुर्घटनाओं पर नजर डालें तो पूरे वर्ष 1405 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं। इनमें 820 व्यक्तियों की मौत हुई है और 1091 घायल हुए हैं। दुर्घटना के कारणों की जांच में जो बात सामने आई है, उसमें सबसे अधिक दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग से हुई हैं। 1079 दुर्घटनाएं तेज गति से वाहन चलाने से हुईं। गलत तरीके से वाहन चलाने के 98 मामले सामने आए हैं। वहीं गलत तरीके से ओवरटेकिंग करने के 27 और शराब पीकर वाहन चलाने के 16 मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक मौत भी इन्हीं चार मामलों में हुई है। इसे देखते हुए पुलिस व परिवहन विभाग ने ओवर स्पीडिंग, रेड लाइट जंपिंग, भार वाहनों में ओवर लोडिंग, नशे की स्थिति में वाहन चलाना और मोबाइल पीकर वाहन चलाने में प्रवर्तन की कार्रवाई की।

ट्रैफिक शोर से बच्चों की याददाश्त हो रही कमज़ोर, ये स्कूल हैं खतरनाक

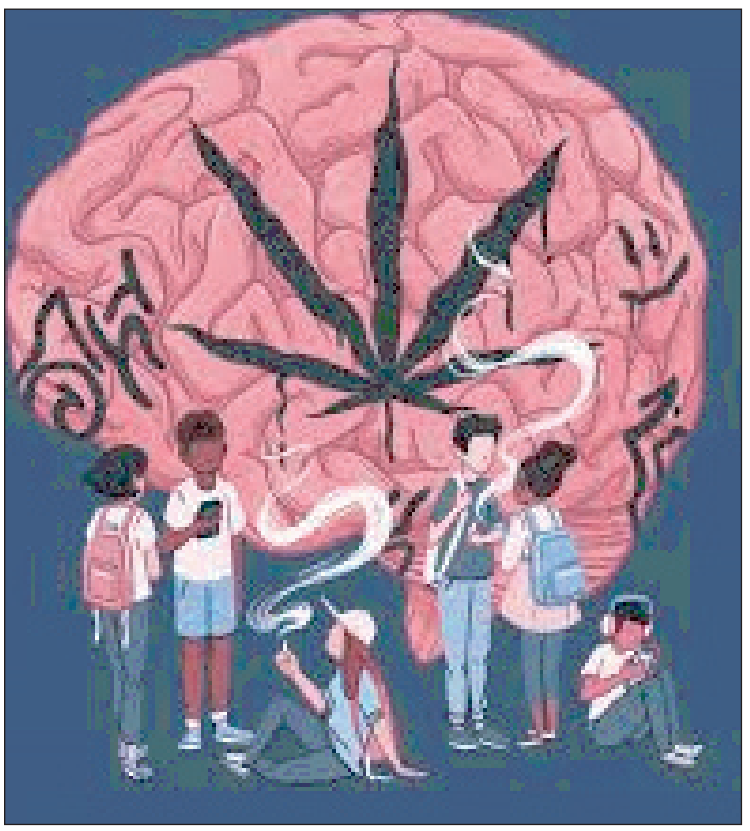

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काम की बात में आज न्यूज़ वायरस आपको आपके बच्चों की सेहत से जुडी खबर बता रहा है। एक ऐसी खबर जो आपके नौनिहालों के भविष्य और उनकी कामयाबी से जुडी है। क्या आपने सोचा है कि स्कूल जाते समय बच्चों के स्कूल रूट में ज्यादा ट्रैफिक होने से बच्चों की मेमोरी कमजोर होती है ?

स्पेन के बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के शोधकर्ताओं ने बार्सिलोना के 38 स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों पर किए शोध में यह बात सामने आई है। 7 से 10 साल के 2,680 बच्चों पर हुए इस शोध में सामने आया कि बाहरी शोर के स्तर में 5 डेसिबल की भी वृद्धि होती है तो याददाश्त क्षमता 11.5% कम हो जाती है। वहीं, कठिन कामों को करने की क्षमता का विकास भी 23.5% तक प्रभावित होता है। इसके चलते पढ़ाई पर फोकस 4.8 % तक घट जाता है।

ध्वनि प्रदूषण याददाश्त के विकास को धीमा करता है

इस शोध के लेखक जोर्डी सनयर ने बताया कि हमारी रिसर्च इस थ्योरी का समर्थन करता है कि बचपन एक कमजोर अवधि है। ध्वनि प्रदूषण किशोरावस्था से पहले होने वाले याददाश्त क्षमता के विकास की प्रक्रिया को धीमा करता है। भविष्य में इसे देखते हुए स्कूलों को ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए जहां शोर व ट्रैफिक कम हो।

बाहरी और अंदर के शोर की तुलना में शोधकर्ताओं ने पाया कि शोर वाले खेल के मैदानों वाले स्कूलों में बच्चों ने सभी परीक्षणों में खराब प्रदर्शन किया। हालांकि, शोरगुल वाली कक्षाएं केवल बच्चों के ध्यान को प्रभावित करती हैं, न कि उनकी मेमोरी को। अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ मारिया फोस्टर ने कहा कि इस खोज से पता चलता है कि कक्षा के अंदर का शोर औसत डेसिबल स्तर से ज्यादा होने पर न्यूरोडेवलपमेंट के लिए खतरा साबित हो सकता है।

ज्यादा प्रदूषण व ट्रैफिक वाले क्षेत्र के बच्चे होते हैं मोटे

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर प्राइमरी केयर रिसर्च जोर्डी गोल के शोधकर्ताओं ने 9 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों पर किए शोध में पाया कि ज्यादा वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और ट्रैफिक वाले क्षेत्र में रहने वाले बच्चों में मोटे होने की संभावना अधिक होती है।

परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने सड़क दुर्घटना रोकने के लिए बुलाई उच्च स्तरीय बैठक, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश में लगातर हो रही वाहन दुर्घटना के बाद कैबिनेट मंत्री चन्दन राम दास ने परिवहन आयुक्त कार्यालय, देहरादून में विभागीय समीक्षा बैठक बुलाई है । हाई लेवल की इस बैठक में परिवहन मंत्री द्वारा राजस्व, सड़क सुरक्षा, डिजीटाईजेशन, निर्माण कार्यों एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये। आइये आपको बताते हैं क्या हैं वो निर्देश -

1 वर्तमान में विभाग द्वारा वाहन स्वामियों से भिन्न-भिन्न नामों से (ग्रीन उपकर, प्रवेश उपकर आदि) करो की वसूली की जा रही है। इससे वाहन स्वामियों में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। अतः विभाग द्वारा कर ढांचे को तर्कसंगत बनाते हुए उसका सरलीकरण किया जाये।

2 परिवहन मंत्री द्वारा अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि विभाग का उद्देश्य केवल करों की वसूली ही नहीं होना चाहिए अपितु ऐसे प्रयास करने चाहिए कि जनता को परिवहन विभाग की पारदर्शी और त्वरित सेवा सुगमता से प्राप्त हो सके।

3 मार्ग पर भ्रमण के दौरान देखा गया है कि विभाग द्वारा यात्रा मार्गों पर जो चेक पोस्ट स्थापित की गयी है, यहां नेटवर्क कनेक्टिविटी न होने के कारण वाहनों के प्रपत्रों की ऑनलाइन जांच नहीं हो पा रही है, जिससे वाहन स्थानीयों को अनावश्यक विलंब हो रहा है और चेक पोस्ट पर लाईन भी लग रही है। मा० मंत्री जी द्वारा निर्देश दिये गये कि चेक पोस्टों को ऐसे स्थान पर स्थापित किया जाये जहां कनेक्टिविटी उपलब्ध हो और वाहन स्वामियों को कम से कम परेशानी हो।

4 उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि विभाग द्वारा अधिकतर कार्य ऑनलाईन कर दिये गये हैं परन्तु कार्यों का ऑटोमेशन करते समय यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि उक्त व्यवस्था का लाभ अपेक्षाकृत कम पढ़े-लिखे चालक-परिचालक को मिले और उसे अनाधिकृत व्यक्तियों के पास न जाना पड़े।

5 बकाया राजस्व के मामलों की समीक्षा करते हुए मंत्री द्वारा निर्देश दिये गये कि विभाग द्वारा लम्बे समय तक वाहन स्वामियों को मांग पत्र/वसूली पत्र निर्गत नहीं किये जाते हैं, जिसके कारण वाहन स्वामी के प्रति देय धनराशि बढ़ती रहती है और जब विभाग द्वारा वाहन स्वामियों को बकाया जमा करने का नोटिस दिया जाता है, तब वाहन स्वामी बकाया जमा करने में सक्षम नहीं हो पाता है। अतः मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे वाहन के बकाया में आने के एक वर्ष के अन्तर्गत नोटिस जारी करते हुए वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि लम्बी अवधि से बकाया के मामलों के निस्तारण के सम्बन्ध में एक कार्ययोजना विकसित की जाये।

बैठक में अरविंद सिंह ह्यांकी, सचिव, परिवहन, रणवीर सिंह चौहान, परिवहन आयुक्त रोहित मीणा, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, सनत कुमार सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त, सुधांशु गर्ग, उप परिवहन आयुक्त, डॉ० अनिता चमोला, सहायक परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड दीपक जैन, महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम के अतिरिक्त परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम के मुख्यालय स्तर के अधिकारी उपस्थित थे। परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम के जनपदीय अधिकारियों द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया गया।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा